

शहरी विकास विभाग
9वें तल, सी-विंग, दिल्ली सचिवालय,
आई. पी इस्टेट, नई दिल्ली-110002

तारांकित प्रश्न संख्या :-

55

दिनांक :-

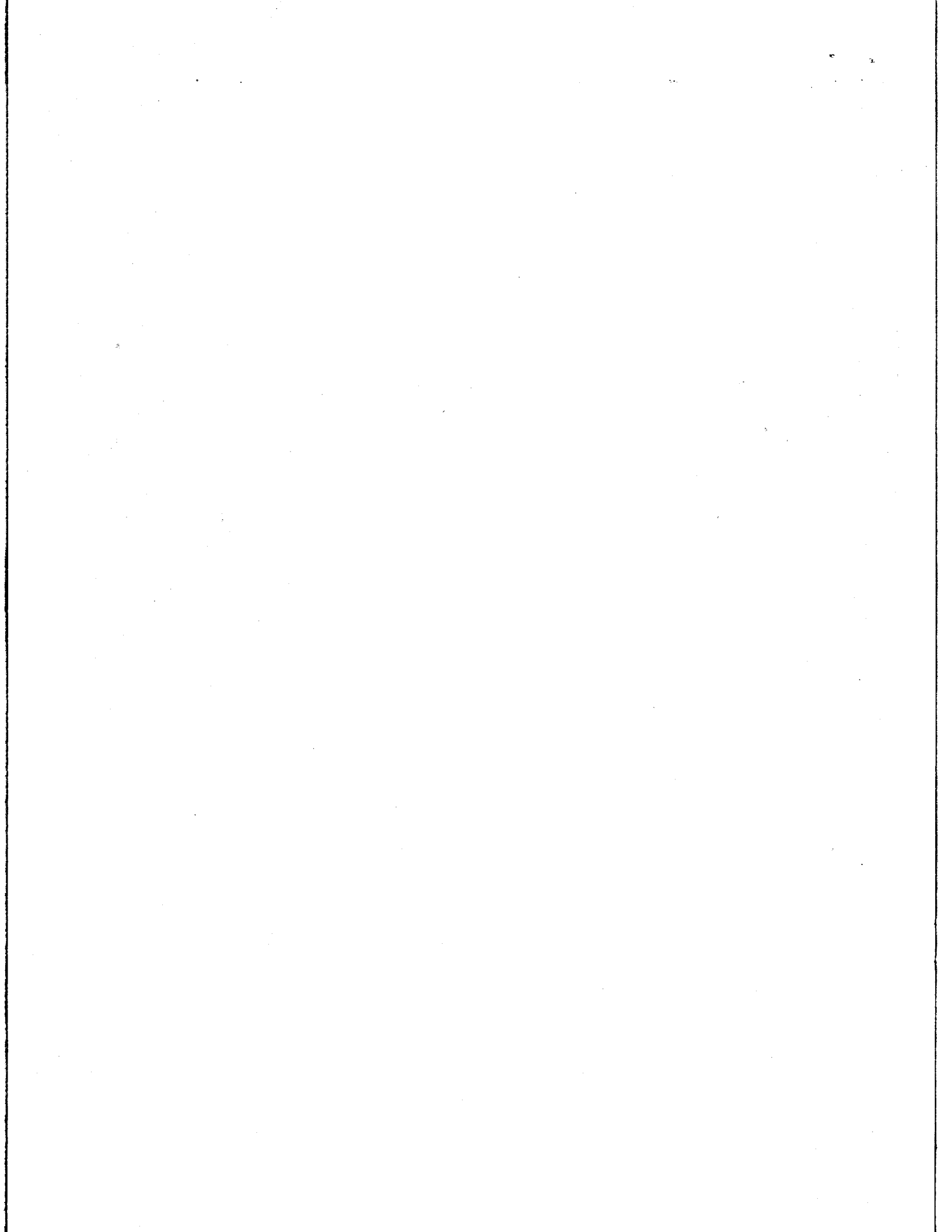
10/08/2017

प्रश्नकर्ता का नाम :-

श्री सुखबीर सिंह दलाल

क्या उपमुख्यमंत्री/ मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

प्रश्न	उत्तर
(क) मुंडका विधानसभा क्षेत्र में उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा पिछले दो वर्षों में जिन संपत्तियों को आरोपित किया गया है, उनका ब्यौरा,	उत्तर:- उत्तरी दिल्ली नगर निगम मुंडका विधानसभा क्षेत्र में उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा पिछले दो वर्षों में 84 संपत्तियों को आरोपित किया गया है।
(ख) इनमें से कितनी संपत्तियों को सील/डीसील किया गया है, कारण सहित उनका ब्यौरा,	उत्तर:- उत्तरी दिल्ली नगर निगम मुंडका विधानसभा क्षेत्र में उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा पिछले दो वर्षों में 05 संपत्तियों को सील किया गया है और 02 संपत्तियों को सामान बाहर निकालने के एवज में अस्थायी रूप से डी सील किया गया।
(ग) नांगलोई मेट्रो स्टेशन के समीप बनिया की दुकान तथा हिरनकूदना मोड़ पेट्रोल पंप के साथ लगे सिटी पार्क (मैरिज लॉन) में हुए अवैध निर्माणों को हटाने के लिए उत्तर दिल्ली नगर निगम द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ,	उत्तर:- उत्तरी दिल्ली नगर निगम नांगलोई मेट्रो स्टेशन के समीप बनिया की दुकान वाली प्रॉपर्टी पर धारा 343 और 344 (1) के अंतर्गत एवं 29.05.2017 को डेमोलिशन एक्शन लिया गया है पेट्रोल पंप के साथ लगे सिटी पार्क (मैरिज लोन) को शुल्क 99,49,619/- जमा करने के उपरांत नियमितीकरण 21.02.2017 को किया गया है।
(घ) मुंडका विधानसभा क्षेत्र में उद्यान विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा, और	उत्तर:- उत्तरी दिल्ली नगर निगम मुंडका विधानसभा क्षेत्र में उद्यान विभाग का कोई विकास कार्य नहीं चल रहा है। मानसून के मद्देनजर विभागीय कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण कराया जा रहा है।
(ङ) डंगू व चिकनगुनिया की समस्या से निपटने के लिए उत्तर दिल्ली नगर निगम द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा?	उत्तर:- उत्तरी दिल्ली नगर निगम डंगू व चिकनगुनिया की समस्या से निपटने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम



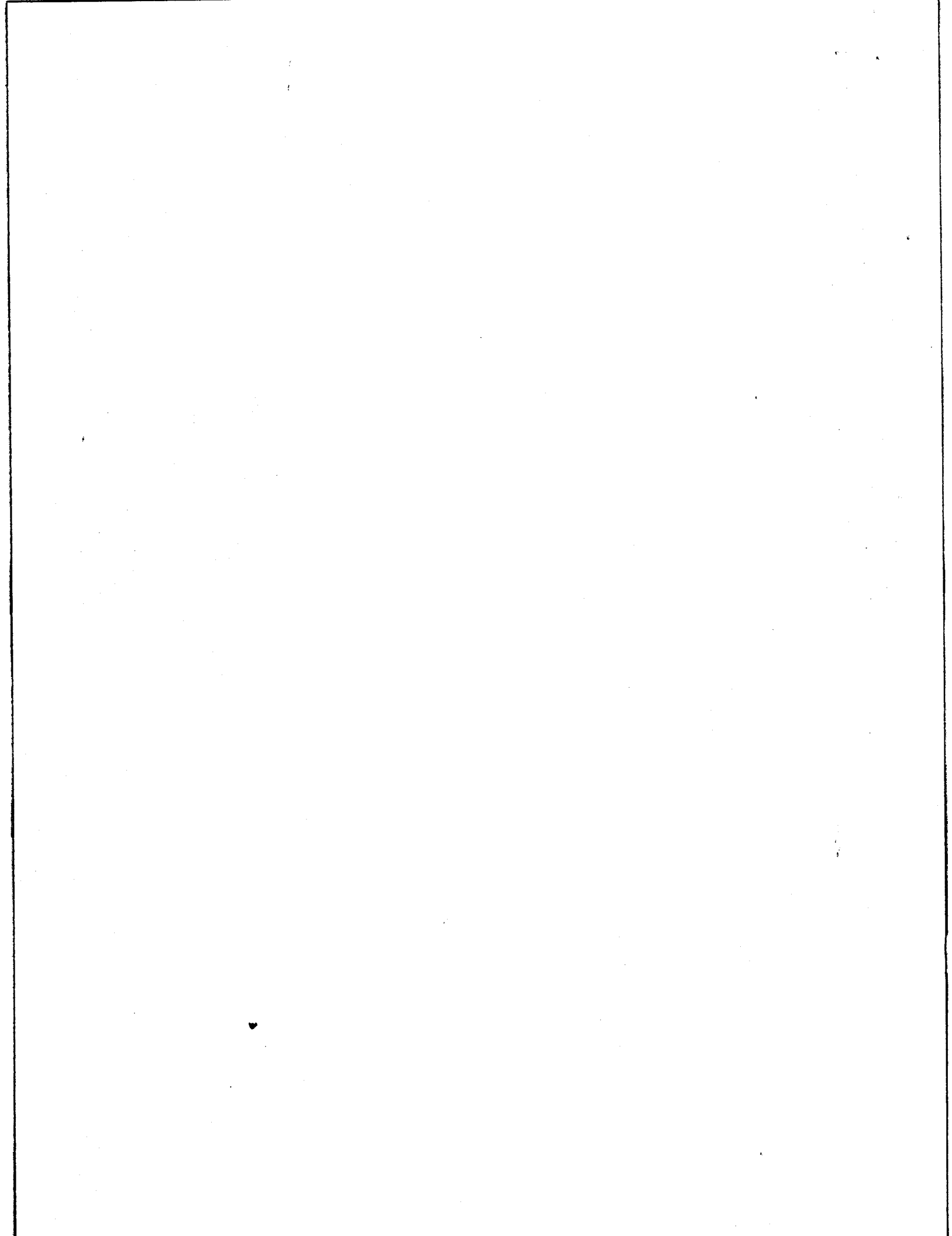
द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौयरा
अनुलग्नक 'क' पर संलग्न है।

पूरक सूचना:— उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिन्दूराव व कस्तूरबा अस्पताल को डेंगू एवं चिकुनगुनिया रोग के उपचार के लिए Sentinal Surveillance Hospital घोषित किया गया है। इन अस्पतालों में अतिरिक्त विस्तर लगाये गए हैं। इन अस्पतालों में सभी दवाईयां व जांच की 24 घन्टे व्यावस्था है। सभी अस्पतालों में अधिक विस्तर, दवाईयां, आई.वी. फ्लुइड्स इत्यादि की उचित व्यवस्था है।

इस कार्यक्रम के तहत दोनों अस्पतालों में फीवर विलनिक बनाये गये हैं। इन फीवन विलनिक में गरीजों की डॉक्टर द्वारा निरीक्षण व खून की जांच की 24 घन्टे की जा रही है।

हिन्दूराव अस्पताल में चिकित्सा अधीक्षक की अध्यक्षता में एक को-ऑर्डिनेशन कमिटी बनाई गई है। इस कमिटी में सभी विभागाध्यक्षों के अलावा इंजीनिरिंग विभाग, PSM तथा MRD section को शामिल किया गया है। हिन्दूराव अस्पताल में डेंगू, मलेरिया एवं चिकुनगुनिया बुखार के उपचार हेतु 70 बैड का प्रबंध किया गया है, तथा इसके अलावा कस्तूरबा अस्पताल में भी 75 बैड का प्रबंध किया गया है, जरूरत पडने पर इन विस्तरों को बढ़ाने की व्यवस्था है। डॉक्टर व नर्स पर्याप्त संख्या में 24 घन्टे आवश्यकता अनुसार मौजूद है। सभी डॉक्टरों, नर्सों एवं अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों की छुट्टियां डेंगू रीजन के समाप्त होने तक रद्द कर दी गई हैं। इन विभागियों के लिए डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को जानकारी के लिए Sensitisation lecture का आयोजन किये जा रहे हैं।

इस पूरे कार्यक्रम की उच्च अधिकारियों के अलावा DHA कार्यालय द्वारा प्रतिदिन निगरानी की जा रही है।



उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा 2017 में डेयू, गलेरिया एवं चिकनमुनिया की रोकथाम हेतु उठाये गये कदम इस प्रकार हैं-

1. उत्तरी दिल्ली नगर निगम में 22.07.2017 तक गलेरिया के 37, डेयू के 05 तथा चिकनमुनिया के 03 मामले सामने आए हैं।
2. उत्तरी दिल्ली नगर निगम में डेयू, गलेरिया व अन्य फलस्त्र जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु कीटनाशक दवाई व प्रचार सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
3. 1500 डी.बी.सी. कर्मचारियों द्वारा हर घर की चौकी कराने कीटनाशक दवाईयों का प्रयोग किया जा रहा है। इनकी वोट उत्तरी दिल्ली नगर निगम की वेबसाइट पर डाल दी गई है तथा कोई भी नागरिक वेबसाइट पर इसका अवलोकन कर सकता है। कॉल सेंटर हेल्पलाइन द्वारा इसे ट्रैक किया गया है। पब्लिक का कोई भी व्यक्ति न केवल अपने जोन वार्डज चार्ज वार्डज कॉलोनी वार्डज कार्यरत डी.बी.सी. की जानकारी प्राप्त कर सकता है वहीन अगर कोई शिकायत है तो कॉल सेंटर हेल्पलाइन के निशुल्क नं.18001300701 एवं 1800133700 पर दर्ज भी करा सकता है।

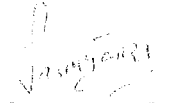
वर्ष 2017 में अब तक घरे की जीव की रिपोर्ट इस प्रकार है-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	किया हुआ कार्य 01.01.2017 से 29.07.2017 तक
1.	डी.बी.सी. द्वारा चैक किये गये घरे की संख्या	93,65,605
2.	ब्रीडींग पाये गये घरे की संख्या	26,427
3.	रोग किये गये घरे की संख्या	1,05,278
4.	दिये गये लीगल नोटिस की संख्या	22,316
5.	किये गये जानाब की संख्या	5096

4. उत्तरी दिल्ली नगर निगम में 900 फोल्ड वर्कर (कलेक्टर) हैं जो आउटडोर वोट अनुसार गालियाँ तथा अन्य पानी के जमाव आदि में दवाई आलव हैं जिससे मच्छर की उत्पत्ति न हो, तथा 131 सहायक गलेरिया निरीक्षक कार्यरत हैं जिनमें से कुछ अस्पताल, डिस्पेंसरी, क्लिनिक आदि में गलेरिया के लिए खून की जांच करते हैं तथा कुछ डी.बी.सी. कार्य का सुपरविजन करते हैं। इसका आतिरिक्त 21 गलेरिया निरीक्षक कार्यरत हैं जो अपरिक्त सभी कर्मचारियों द्वारा किये गये कार्यों का निरीक्षण करते हैं।
5. गलेरिया/डेयू के मामलों की सम्पूर्ण जानकारी जुटाई जाती है एवं आसपास के 50 घरे में फलस्त्र रप्र किया जाता है।
6. सभी जोंनों में पर्याप्त मात्रा में हस्तक्षेपित फॉर्माग मशीन उपलब्ध है तथा उनसे घरे में फॉर्माग कराई जा रही है।
7. नये लैफा मशीनों द्वारा भी सभी क्षेत्रों में कीटनाशक घुसा उपयुक्त समय पर किया जायगा।
8. सभी संस्थानों के प्रशासनिक पण्डितों/विभागाध्यक्षों को उनके पत्रियों का मच्छरों की उत्पत्ति से मुक्त रखने के लिए सभी कर्मचारी/टीमों आदि को साफ रखने एवं किसी भी तरह के जल जमाव को रोकने के निर्देश जारी किये जा चुके हैं।
9. उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षा निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) को भी निर्देश जारी किये गये हैं कि सभी मोडल शिक्षकों एवं स्कूली विद्यार्थियों में इस बात की जागरूकता पैदा की जाए कि उनका विद्यालय परिसर मच्छरों की उत्पत्ति से पूरी तरह मुक्त रहे।
10. उत्तरी दिल्ली नगरनिगम के सभी क्षेत्रों के उपक रक्षक अधिकारियों के माध्यम से क्षेत्रीय मोडल अधिकारियों का कीट जनित बीमारियों के क्वाच व नियंत्रण के लिए सभी उपाय करने हेतु निर्देश दे दिये गये हैं।
11. मोडल टीचरी एवं सभी स्तर के गलेरिया स्टाफ का प्रशिक्षण विभिन्न रूप किया जा चुका है।
12. डेयू जागरूक कार्यक्रम उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सभी 6 जोंनों के 104 वार्डों में जून 2017 से मनाया जा रहा है।
13. 25.06.2017 को मानवीया महावीर कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी 104 वार्डों में जल जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अन्तर्गत लगभग 10 हजार लोगों का डेयू, गलेरिया, चिकनमुनिया की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया एवं कई जगह रैलियों भी निकाली गई।
14. निरस्त जन-जागरूकता कार्य फफुलर, रटीकर, वैनर, ब्रॉशर, फलेक्स चार्ट एवं कलेण्डर आदि के द्वारा भी किया जा रहा है।
15. डी.बी.सी. को सरकारी संस्थानों में 100 प्रतिशत चैक करने के लिए निर्देश दिये गये हैं तथा वे सुनिश्चित करें कि इन संस्थानों में ब्रीडींग ना मिले।
16. डेयू, गलेरिया तथा चिकनमुनिया की रोकथाम, निदान एवं उपचार हेतु दिल्ली मोडकल एसासिएशन को भी निर्देश दे दिये गये हैं।
17. मच्छरों पर नियंत्रण हेतु आर.डब्ल्यू.ए. के सोल वार्ड लेवल पर जागरूकता कार्यक्रम किये जा रहे हैं।
18. सभी जोंनों में जीवो व जल संचयन यन्त्र (P.A SYSTEM) के माध्यम द्वारा मुनादी करने की व्यवस्था की गई है।
19. जानाब/डी.बी.सी. कोरिंग को भी सभी जोंनों में नियंत्रण हेतु निर्देश दिये गये हैं।

20. सभी ज्ञान में गच्छर ज्ञानित गीमरिषों के नियन्त्रण व रोचकता के लिए मोडल अधिकारियों के परिचय की व्यवस्था की है।
21. हर ज्ञान में एपी गतिरिषा गिषा भी गनाया गया है।
22. स्वारथ्य शिक्षा अभियान हेतु डेगू, गलेरिषा की रोचकता के लिए 200 डीडीएम भी लगार गये हैं।
23. स्वारथ्य शिक्षा गंदेस एफ.एम. रेडियो और अलवदरों में गिज्ञापन एवं मुककड गोटक द्वारा भी गिषे जारेंगे।
24. उत्तर रेसरे की साडोवरी से दिवली में ट्रेक के साध-साध एपी लारगत कर्ग करने के दिने उडे गवर से टैकर तथा कीटनाथक दगारैगं भी उपलब्ध करार जागेगी।
25. आयुक्त गडोदस की अलवदला में अलकियागीन सडयोग समिति की एक गीरिंग 20 जून 2017 को आयोजित की गई है।
26. उत्तरी दिवली गगर गिगम के सभी स्कूलों के बच्चों के डेगू, मुड कर्ग करार गितरण तथा स्कूल के बच्चों द्वारा रेडियो भी करार जा रही है।
27. साप्ताहिक बालारों में भी आयुक्तता अभियान चलारा जा रहा है।
28. गत्र संख्या MHO/N/2017/234 दिनांक 17.05.2017 के द्वारा उत्तरी दिवली गगर गिगम के सभी बालों में गिरीक्षण टीम का गठन करार दिया गया है। और सभी गिगमगल्यक्षों का स्टारस एग पर एक गुप भी बनारा गया जिससे फील्ड वर्क का गिरीक्षण सुचारु/गगरगर डंग से किरा जा सके।

गड उत्तर आयुक्त गडोदस द्वारा रवीकृत है।



गिगम स्वारथ्य अधिगारी
उत्तरी दिवली गगर गिगम

